सत्यमेव जयते

एक विवरण

राष्ट्रीय कर्मयोगी

लार्ज स्केल जनसेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम
एनआईसी तेलंगाना अधिकारियों के लिए

कर्मयोगी भारत
लोकहितं मम करणीयम्

Digital India
Power To Empower

NIC एनआईसी National Informatics Centre

एनआईसी तेलंगाना: एनआईसी तेलंगाना राज्य इकाई के **छठी मंजिल** के सम्मेलन कक्ष में सभी **एनआईसी तेलंगाना अधिकारियों** के लिए **"राष्ट्रीय कर्मयोगी- लार्ज स्केल जनसेवा कार्यक्रम"** आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रभावी सार्वजनिक सेवा वितरण और एक **आत्मनिर्भर भारत** पर केंद्रित एक सक्षम, भविष्य के लिए तैयार नागरिक सेवा के निर्माण के लिए **मिशन कर्मयोगी** के उद्देश्य के हिस्से के रूप में सरकारी अधिकारियों के बीच राष्ट्रीय विकास के व्यापक दृष्टिकोण के साथ **सेवा भाव**, अनुशासन और संरेखण की भावना को मजबूत करना है।

प्रभावी वितरण और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, प्रशिक्षण का आयोजन **34 प्रतिभागियों** के तीन बैचों में किया गया, जिसमें **26.11.2025, 29.11.2025 और 03.12.2025** को **कुल 102 एनआईसी तेलंगाना अधिकारियों** को शामिल किया गया। हर बैच को व्यक्तिगत कार्यशाला के रूप में बनाई गई थी ताकि प्रतिभागियों को सोचने, बातचीत और व्यावहारिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

कार्यक्रम की शुरुआत 26.11.2025 को **दीप्रज्वलन** के औपचारिक उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जिसमें प्रथम बैच के दौरान **श्री रेनील जॉन वैज्ञानिक-एफ, अनुभाग अधिकारी और डीडीओ श्री जॉन पीटर और सुश्री वाई. श्रीवानी वैज्ञानिक-ई** ने **एनआईसी तेलंगाना के डीडीजी और एसआईओ श्री गुंटुकु प्रसाद** की उपस्थिति में (वी. सी. के माध्यम) से कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित किया, अपनी अंतर्दृष्टि साझा की, कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया, और कुशल, नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने में पहल के उद्देश्यों और सरकारी अधिकारियों से अपेक्षाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया।

प्रत्येक बैच को सहकर्मी सीखने, सहयोग और अनुभवात्मक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए तीन से पांच सदस्यों की छोटी टीमों में विभाजित किया गया था। पूरे दिन, प्रतिभागियों ने टीम-आधारित और व्यक्तिगत अभ्यासों, व्यावहारिक उपयोग के मामलों का उपयोग करके प्रतिबिंबित चर्चा और व्यक्तिगत प्रभावशीलता, पेशेवर प्रतिबद्धता और नागरिक-प्रथम मानसिकता को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किए गए इंटरैक्टिव कक्षा सत्रों में भाग लिया।

प्रत्येक बैच के लिए प्रशिक्षण दो सत्रों के प्रारूप में था। सुबह के सत्र में, प्रतिभागियों को **आईगॉट कर्मयोगी मोबाइल ऐप** के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल किया गया, कार्यक्रम परिचय के माध्यम से लिया गया, और फिर एक पूर्व-कार्यक्रम सर्वेक्षण पूरा किया। इसके बाद, **"राष्ट्रीय कर्मयोगी कौन है"** और **"सफलता और पूर्ति की हमारी दृष्टि का विस्तार"** मॉड्यूल को अत्यधिक इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से वितरित किया गया, जिसमें टीम गतिविधियाँ, व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करना और संबंधित टीमों द्वारा चुनी गई कहानियों के आधार पर **"पूर्ति का वृक्ष"** बनाना शामिल था।

दोपहर के भोजन के बाद के सत्र में, **"कर्मयोगी क्षणों का निर्माण"** और **"राष्ट्र-निर्माता के रूप में राष्ट्रीय कर्मयोगी"** मॉड्यूल को शामिल किया गया, जिसे फिर से समूह गतिविधियों और चर्चाओं द्वारा समर्थित किया गया। प्रतिभागियों ने अपनी विशिष्ट भूमिकाओं/कार्य और अपने मंत्रालय और राष्ट्र के बड़े लक्ष्यों के बीच एक **"लाइन आफ कनेक्ट"** की बनाने पर भी काम किया, जिससे वे दैनिक जिम्मेदारियों और राष्ट्रीय विकास उद्देश्यों के बीच स्पष्ट संबंध देख सकें; प्रत्येक बैच के लिए कार्यक्रम के समापन ने प्रतिभागियों को अपनी प्रमुख सीखों को समेकित करने और राष्ट्रीय विकास में योगदानकर्ता के रूप में सक्रिय रूप से सोचने में मदद की।

कार्यक्रम के अंत में, सभी प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया गया ताकि मॉड्यूल की उनकी समझ का मूल्यांकन किया जा सके। प्रत्येक प्रतिभागी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुआ और उन्हें **"राष्ट्रीय कर्मयोगी"** की उपाधि और **डिजिटल प्रमाणपत्र** से सम्मानित किया गया, जो उनके संबंधित आईगॉट कर्मयोगी पोर्टल खातों में उत्पन्न किया गया था; दिन एक प्रतिक्रिया सत्र के साथ समाप्त हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने कार्यक्रम पर अपने विचार और सुझाव साझा किए।

श्री रेनील जॉन, वैज्ञानिक-एफ और **प्रशिक्षण प्रमुख** के मार्गदर्शन में कार्यक्रम के निर्बाध क्रियान्वयन के लिए प्रति बैच दो समन्वयकों की एक टीम गठित की गई। एम.टी.एस. के सहयोग से प्रशिक्षण समन्वयकों ने रसद व्यवस्था, सत्रों के सुचारू संचालन और प्रमुख क्षणों के समुचित प्रलेखन सुनिश्चित किया; निम्नलिखित अधिकारियों को **प्रशिक्षण समन्वयकों** के रूप में नामित किया गया और मास्टर फैसिलिटेटरों को अनुकरणीय समर्थन दिया गया।

बैच-1: श्री येरूर सिराज अहमद, वैज्ञानिक-डी और **श्री कार्तिक कृष्ण विजयशारधि, वैज्ञानिक-डी**

बैच-2: श्री अर्जुन कुमार बल्ला, वैज्ञानिक-डी और **सुश्री एम शैलजा, वैज्ञानिक-डी**

बैच-3: सुश्री नीरुमल्ला कविता, वैज्ञानिक-डी और **श्री के संपत कुमार, वैज्ञानिक-डी**

श्री जॉन पीटर, डीडीओ और एसओ और उनकी टीम ने कार्यक्रम के लिए आवश्यक लेखन सामग्री, बैनर, प्रशिक्षण किट और अन्य सामग्री की खरीद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय कर्मयोगी-लार्ज स्केल जनसेवा कार्यक्रम की सफलता का श्रेय मुख्य रूप से **मास्टर फैसिलिटेटरों**, **श्री अरविंद नेहरू लंकमसेट्टी, वैज्ञानिक-डी** और **श्री नीलेश कुमार, वैज्ञानिक-डी** के समर्पण और प्रतिबद्धता को दिया जाता है। उन्होंने प्रतिभागियों को पूरे दिन सक्रिय रूप से व्यस्त रखते हुए उल्लेखनीय स्पष्टता, ऊर्जा, समन्वय और गहराई के साथ सत्रों को प्रस्तुत किया।

अंतिम बैच के लिए कार्यक्रम के समापन समारोह में अधिकारियों के लिए एक संक्षिप्त अभिनंदन समारोह शामिल था जिन्होंने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, यह समारोह **श्री गुंटुकु प्रसाद, डीडीजी और एसआईओ एनआईसी तेलंगाना** की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने कार्यक्रम के समग्र वितरण और सभी अधिकारियों द्वारा दिए गए समर्थन पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की, प्रतिभागियों के साथ उनकी प्रतिक्रिया पर बातचीत की और आगे बढ़ने के लिए उनसे प्रमुख अपेक्षाओं को दोहराया, **राष्ट्रीय कर्मयोगी पहल** की भावना और मूल्यों को सुदृढ़ किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को सार्थक और प्रभावशाली बनाने में मास्टर फैसिलिटेटरों, प्रतिभागियों, समन्वयकों, वी. सी. टीम और एम. टी. एस. कर्मचारियों के बहुमूल्योगदान और उनके पूरे दिल से समर्थन और सहयोग को स्वीकार करते हुए कार्यक्रम का औपचारिक रूप से **धन्यवाद प्रस्ताव** के साथ समापन हुआ।

बैच-1 (26.11.2025) - सेशन की कुछ झलकियाँ

****

उद्घाटन समारोह - दीप प्रज्वलन

राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के बैच-1 प्रतिभागी - एनआईसी तेलंगाना

बैच-2 (29.11.2025) - सेशन की कुछ झलकियाँ

****

राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के बैच-2 प्रतिभागी - एनआईसी तेलंगाना

बैच-3 (03.12.2025) - सेशन की कुछ झलकियाँ

****

राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के बैच-3 प्रतिभागी - एनआईसी तेलंगाना

अभिनंदन समारोह

****